अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2023

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : तबला / पखावज

दि. 23/04/2023 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
2) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1 लिपिबद्ध कीजिये। (कोई भी तीन) (15)

1. धमार / आडाचौताल मे चक्रदार परण।
2. झपताल / सूलताल मे फरमाईशी चक्रदार।
3. तीनताल / आदिताल मे तिपल्ली चक्रदार।
4. पंचम सवारी ताल मे सम से सम तक तिहाई।
5. चौताल मे नाना पानसे घराने की एक बंदिश।

प्र.2 सही पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए। (15)

1. ध्रुपद गायन के साथ ------- इस वाद्य का प्रयोग किया जाता है।
   अ) तबला ब) मृदंगम् क) पखावज
2. पखावज के बायें पुडीपर समयपर ---------- का लेप लगाया जाता है।
   अ) आटा ब) मिट्टी क) लोहचूर्ण
3. लोकसंगीत के लिये --------- इस वाद्य का प्रयोग किया जाता है।
   अ) तानपुरा ब) ढोलकी क) ताविल
4. लय के तीन दर्जे दिखाई देनेवाले रचना को ---------- कहते है।
   अ) चक्रदार ब) तिपल्ली क) तिहाई
5. 'उठान' का प्रयोग ज्यादातर ---------- इस घराने मे किया जाता है।
   अ) बनारस ब) अजराडा क) दिल्ली

6. तिहाईयुक्त रचना को तीन बार बजाया जाता है उसे ---------- कहते है।
अ) तोडा ब) लग्गी क) चक्रदार

7. कायदा, रेला ---------- इस वाद्य से संबंधित है।
अ) पखावज ब) तबला क) संबल

8. परण, पडार ---------- इस वाद्य से संबंधित है।
अ) खोल ब) ढोलक क) पखावज

9. '4 मे 7' इस लयकारी को ---------- कहा जाता है।
अ) बिआड ब) देढ गुन क) कुआड

10. '4 मे 3' इस लयकारी को ---------- कहा जाता है।
अ) तिगुन ब) सवागुन क) पौन गुन

11. चर्ममंडीत वाद्यों को ---------- वाद्य की श्रेणी में रखा गया है।
अ) सुषीर ब) घन क) अवनद्ध

12. 'स्तुति परन' ---------- इस वाद्य से संबंधित है।
अ) पखावज ब) मृदंगम क) तबला

13. ---------- यति नदी के प्रवाह के समान होती है।
अ) पिपिलिका ब) समा क) स्त्रोतावहा

14. ---------- यति गाय की पूँछ के समान होती है।
अ) मृदंगा ब) गोपुच्छा क) डमरु

15. पं.पलुस्कर ताललिपि पद्धति मे सम का चिन्ह -------- होता है।
अ) + ब) X क) 1

प्र.3 सोदाहरण परिभाषा लिखिये। (कोई भी तीन) **(15)**
अ) चौपल्ली गत ब) लग्गी क) लडी
ड) उठान इ) चक्रदार तिहाई।

प्र.4 पं.भातखंडे एवं पं.पलुस्कर ताललिपि पद्धतियों की विस्तृत तथा तुलनात्मक जानकारी दीजिये। **(15)**

प्र.5 निम्नलिखित लयकारियों को सोदाहरण समझाईये। (15)
अ) आड लय ब) कुआड लय क) तिगुन

प्र.6 ताल के दश प्राणों के नाम क्रमश: बताईये तथा 'ग्रह' एवं 'यति' को संक्षेप में समझाईये। (15)

प्र.7 कर्नाटक ताल पद्धति मे जाति के आधार पर पैंतिस तालों की निर्मिति किस प्रकार होती है, विस्तार से समझाईए। (15)